3 यहुन्ना

1 हम पुरनियन केर ओर ते उइ पिरय गयुस केर
नामु जेहिते हम सच्चा पिरेम राखित हय।
2हे पिरय, हमार यहि पराथना हय कि जइसन तुम
आतमा म तरक्की किहौ हौ वैसेइ तुम सबै बातन मा
तरक्की करौ, अउर भले चंगे रहौ। 3काहे ते जब
भाइयों ने आइके, तुम्हार उइ साँच केर गवाही दीन,
जेहि पर तुम सचमुच चलत हौ, तबै हम बहुत
आनन्द भये। 4हमका यहिते बढ़कर अउर कउनउ
खुसी नाहीं, कि हम सुनी, कि हमार लरिके वाले
सांच पर चलत हयं।
5हे पिरय, जउन कुछ तुम उइ भइयन केर साथु
करत हौ, जउन परदेसी हवै, उइका विसवासी केर
भांति करति हव। 6उनहिन मंडली केर सामने तुमरे
पिरेम केर गवाही दीन रहै, यहि तुम उनका ऊ परकार
विदा करियो जेह परकार परमेसुर केर लोगन केर
उचित हय तौ अच्छा करत हव। 7काहे ते उइ सब
नाम खातिर निकरे हय, अउर दूसरि जाति ते कछु
नाहीं लीन। 8यहि बरे ऐसेन केर सुवागत करै चाही
जैसेन हमहूं सांच केर पच्छ मा उन केर सहकरमी
होवैं।
9हम कुछ मंडली का लिखेन रहै, मुला दियुन्निफेस
जउन उइ मा बड़ा बनै क चाहत रहैं, हमका गरहन
नाहीं करत। 10ई बरै जब हम अइबे, तो उहिके
कामन का जउन उइ करत रहैं सुधि दिलइबे कि उइ
हमरे बारे मा बुरी–बुरी बातें बकत है, अउर यहू पै
सन्तोस न करिके आपहूं भाइयन क गरहन नाहीं
करत अउर उनहिन क जउन गरहन करै क चाहत
हयं मना करति है, अउर मंडली से निकाल देत हैं।
11हे पिरय बुराई केर नाहीं, पर भलाई केर अनुयायी
होवै, जउन भलाई करति है, ऊ परमेसुर केर नाहीं
देखिस। 12देमेत्रियुस केर बारे मा सबै वरन सांच ने
भी आपहि गवाही दी: अउर हमऊ गवाही दीन,
अउर तुम जानत हौ, कि हमार गवाही सांच हय।
13हमैं तुमका बहुत कुछ लिखै तव रहै: पर स्याही
अउर कलम ते लिखा नाहीं चाहित। 14पर हमका
आसा हय कि तोहते जल्दी भेंट करिबै: तब हम
आमने–सामने बत करिबै।
तुमका सान्ती मिलत रहै। हियां के साथी तुमका
नमसकारु करत हैं, हुवां केर साथी केर नाम लइके
नमसकारु कहि दियो।